नवंबर 2022 वर्ष 1, नंबर 3

दयालबाग़ एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)

डी.ई.आई. मासिक समाचार

"काम के बिना धन, अंतरात्मा के बिना आनंद, चरित्र के बिना ज्ञान, नैतिकता के बिना व्यापार, मानवता के बिना विज्ञान, बलिदान के बिना पूजा, सिद्धांत के बिना राजनीति पाप है।"

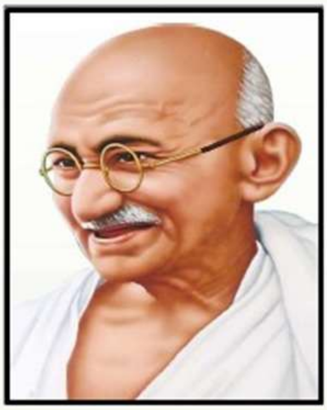

– महात्मा गॉधी

खंड

खंड क : डी.ई.आई. 3

खंड ख : डी.ईआई. – ओ.डी.ई./ए (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा) 6

खंड ग : डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AAADEIs & AAFDEI) 9

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट
(डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा– 282005

विषय–सूची

खंड क: डी.ई.आई.

1. नवोन्मेष, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस 2022 का आयोजन 3
2. संकाय समाचार 4
3. सी ए डी डिज़ाइनिंग और 3डी प्रिटिंग पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 4
4. अभियांत्रिकी संकाय: अटल फैकल्टी डेवलपमेंट का आयोजन 4
5. विज्ञान संकाय 5

खंड ख : डी.ई.आई.– ओ.डी.ई./ए (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

6. कोऑर्डिनेटर की डेस्क से 5
7. मुख्यालय से समाचार 6
8. सूचना केन्द्रों से समाचार 7

खंड ग: डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI)

9. श्रद्धांजलि 9
10. स्थिरता और अनुकूल जलवायु कार्यवाही के लिए मानसिकता – दयालबाग़ से सबक 9
11. स्व–अन्वेषण के लिए पथप्रदर्शक 10
12. AADEIs का कौशल संसाधन केंद्र: एक रिर्पाट 11
13. पूर्व छात्र बाइट्स 11

प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड 12

खण्ड 'क' : डी.ई.आई.

नवोन्मेष, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस 2022 का आयोजन

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड–टू–बी–यूनिवर्सिटी) ने 23 और 24 अक्टूबर 2022 को दिवाली के अवसर पर 'इनोवेशन, क्वालिटी एंड वैल्यूएशन डे' का आयोजन किया। प्रथम दिवस के प्रातः कालीन सत्र में दयालबाग वूमेन रैपिड एक्शन फोर्स की विशेष प्रस्तुति की गई। दयालबाग के खेतों में एक व्यापक चिकित्सा–सह–बहु–कौशल शिविर आयोजित किया गया। तत्पश्चात संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय सभागार परिसर में 'मोरल एंड स्प्रिचुअल वैल्यूज ड्रिवेन सोशल सेन्सिबिलिटी इन एजुकेशन' (नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से प्रेरित सामाजिक संवेदनशीलता) के व्यापक विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। पैनल में श्री आनंद कुमार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट, आगरा, श्री ललित मुद्गल, संयुक्त निदेशक, उच्च न्यायालय, लखनऊ, श्री हिमांशु गौतम, एडीएम (प्रोटोकॉल), आगरा और डॉ. के. स्वामी दया, प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, कंप्यूटर साइंस, डी..ई.आई. सम्मिलित थे। कार्यक्रम के दौरान आयोजित एक प्रदर्शनी में डी.ई. आई. के विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा बनाए गए नवीन उत्पादों, मॉडलों की प्रभावी प्रस्तुति प्रदर्शित की गई। यह कार्यक्रम परम श्रद्धेय प्रो. प्रेम सरन सतसंगी साहब, अध्यक्ष, शिक्षा सलाहकार समिति और परम आदरणीय रानी साहिबा की उपस्थिति से धन्य हुआ। प्रो. सतसंगी साहब ने विनम्रतापूर्वक फरमाया कि भारत के प्रत्येक नागरिक को कड़ी मेहनत करनी चाहिए और अपने देश को दुनिया में सबसे महान बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित करना चाहिए। कार्यक्रम का समापन संस्थान गीत के साथ हुआ और उसके बाद राष्ट्रगान हुआ।

उत्सव के द्वितीय दिवस, संस्थान ने दयालबाग के कृषि क्षेत्रों में सुबह के समय छात्रों की प्रतियोगिताओं और प्रस्तुतियों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों, कर्मचारियों और दयालबाग़ समुदाय के सदस्यों ने बड़े उमंग और उत्साह के साथ भाग लिया। सत्र की शुरुआत डी.ई.आई. के छात्रों के लिए 'समग्र व्यक्तित्व निर्माण में आध्यात्मिक मूल्यों की भूमिका' विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता के साथ हुई। डी.ई.आई. के विभिन्न संकायों के छात्रों ने विषय से संबंधित अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत किए और उनका समर्थन किया। इसके बाद डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय और आर.ई.आई. इंटरमीडिएट कॉलेज में आयोजित कविता पाठ प्रतियोगिताओं के विजेताओं द्वारा विशेष प्रस्तुतियां दी गईं। इस कार्यक्रम में विजेताओं द्वारा भक्ति संगीत की एक उल्लेखनीय प्रस्तुति भी दी गई। दर्शकों को दयालबाग़ की महिला रैपिड एक्शन फोर्स के सदस्यों द्वारा वीरता और धैर्य का अद्भुत प्रदर्शन दिखाया गया। डी.ई.आई. के मेडिकल–कम–मल्टी स्पेशियलिटी शिविर की विविध गतिविधियों को भी प्रस्तुत किया गया और सभी ने सभा में इसकी सराहना की।

श्री एस नैयर अली नजमी, प्रधान आयुक्त, आयकर, आगरा इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता और मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने इस वर्ष के उत्सव के लिए चुने गए विषय पर अपने अंतर्दृष्टिपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। यह आयोजन परम श्रद्धेय प्रो. प्रेम सरन सतसंगी साहब और परम आदरणीय रानी साहिबा की गरिमामयी उपस्थिति से धन्य हुआ। प्रो. सतसंगी साहब ने कृपापूर्वक फरमाया कि सचेत और सामंजस्यपूर्ण जीवन के सही अर्थ की निरंतर खोज और उच्च क्रम की चेतना की प्राप्ति ही मनुष्य को अपनी अंतर्निहित सीमाओं को पार करने और जीवन में एक बहुत ही सार्थक भूमिका निभाने में सक्षम बना सकती है। हर कोई जो उच्च आयामों के मूल्यों को आत्मसात करने और आचरण करने का प्रयास कर रहा है और समाज और पर्यावरण के लिए दायित्वों का निर्वहन करने के प्रति ईमानदारी से कर्तव्यनिष्ठ है, उसकी प्रशंसा और धन्यवाद किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह और संस्थान गीत के साथ हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षकों, दयालबाग़ समुदाय और आम जनता ने डी.ई.आई. पैन इंडिया के लगभग 500 आई सी टी नोड्स और दुनिया भर में ई–कैस्केड नेटवर्क के माध्यम से उपस्थिति और भागीदारी की।

संकाय समाचार

कला संकाय

गृह विज्ञान विभाग ने विश्व खाद्य दिवस, 2022 मनाने के लिए 'ईट राइट चौलेंज' गतिविधि (द्वितीय) के तहत एफ.एस.एस.ए.आई के सहयोग से ''बाजरा आधारित उत्पादः पारंपरिक और साथ ही बेकरी उत्पाद'' नामक तीन दिवसीय कार्यशाला (18–20 अक्टूबर, 2022) का आयोजन किया। इस कार्यशाला में ....अभ्यर्थियों ने भाग लिया। गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. चारुल चौधरी द्वारा बाजरा आधारित मूल्य वर्धित उत्पाद तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

शिक्षकोप्लब्धिः

प्रोफेसर लवली शर्मा, संगीत विभाग, ने एम. के. गांधी पीस सेंटर, कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, फ्रेस्नो, यू.एस. द्वारा आयोजित ''द हाईवे टू हीलिंगः अंडरस्टैंडिंग द ओशन ऑफ वननेस'' विषय पर एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। उन्होंने 3 और 4 अक्टूबर, 2022 को फ्रेस्नो स्टेट यूनिवर्सिटी में संगीत भवन में वाहलबर्ग रिकिटल हॉल में ''द हीलिंग पावर ऑफ क्लासिकल इंडियन म्यूजिक'' नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया। प्रोफेसर शर्मा को आईसीसीआर द्वारा एक विशेषज्ञ के रूप में भी (भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद) 12 अक्टूबर, 2022 को जी 20 के संबंध में एक बैठक के लिए आमंत्रित किया गया था।

सी ए डी डिज़ाइनिंग और ३डी प्रिंटिंग पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

17–19 अक्टूबर, 2022 को पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत स्कूल ऑफ एजुकेशन, शिक्षा संकाय, दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट द्वारा सी ए डी डिज़ाइनिंग और 3डी प्रिंटिंग पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला का उद्देश्य थ्रीडी मॉडल डिज़ाइन करने और 3डी प्रिंटिंग के लिए सभी स्तरों पर शिक्षकों को प्रशिक्षित करना था। विषय विशेषज्ञ श्री हार्दिक चड्ढा ने अपने व्याख्यान की शुरुआत थ्रीडी प्रिंटिंग के बुनियादी सिद्धांतों के साथ की और सॉफ्टवेयर टिंकरकैड की मदद से थ्रीडी डिज़ाइन बनाने में छात्रों का मार्गदर्शन किया। कार्यशाला में करीब 84 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन डॉ. नेहा और डॉ. नीतू सिंह ने किया।

शिक्षकोप्लब्धिः

डॉ. सोना दीक्षित ने अक्टूबर 2022 में 'रिलिजियस लिटरेसीः ट्रेडिशन्स एंड स्क्रिप्चर्स' शीर्षक से एक वर्ष का पाठ्यक्रम पूरा किया। यह हार्वर्डएक्स द्वारा प्रस्तुत अध्ययन का एक कोर्स था, जो हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. की एक ऑनलाइन शिक्षण पहल है।

अभियांत्रिकी संकायः

अटल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग ने 10 से 21 अक्टूबर, 2022 तक नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन और ग्रामीण विद्युतीकरणः चुनौतियां और समाधान विषय पर ए आई सी टी ई द्वारा प्रायोजित दो सप्ताह का अटल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया। एफ डी पी का समन्वय इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रमुख प्रोफेसर अजय कुमार सक्सेना और डॉ. राजीव कुमार चौहान द्वारा किया गया। पहले सप्ताह में, एफ डी पी ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया और व्याख्यान देने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था। जिन प्रख्यात वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था वह थे – प्रो. एन.पी. पाढ़ी– निदेशक एम एन आई टी, जयपुर, डॉ. मारवा बेन अली – स्फैक्स विश्वविद्यालय, ट्यूनीशिया, प्रो. साथंस– एन आई टी, कुरुक्षेत्र, डॉ. निशांत कुमार, आई आई टी जोधपुर, प्रो. अजय कुमार बंसल, सी यू एच, महेंद्रगढ़, श्री जॉन डी. मैकडॉनल्ड, जी ई रिन्यूएबल एनर्जी, यू.एस.ए., श्री राफेल ओलुवासेन जॉर्ज, सनहाइव लिमिटेड, नाइजीरिया, प्रो. आशीष कुमार सिंह, एम एन एन आई टी, इलाहाबाद और डॉ. ई.एस.एन. राजू, आई आई टी गुवाहाटी। उन्होंने स्मार्ट ग्रिड में विभिन्न मुद्दों पर बात की, जैसे तैनाती और अनुप्रयोग, हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत, ए आई –आधारित ग्रिड एकीकृत सौर ऊर्जा रूपांतरण प्रणाली आदि।

दूसरे सप्ताह में सत्र ऑफलाइन मोड में आयोजित किए गए थे जिसके गरिमामय मुख्य वक्ता प्रो. श्री निवास सिंह, निदेशक, ए बी वी – आई आई आई टी एम ग्वालियर, डॉ. मनमोहन गर्ग, एम एन आई टी जयपुर, डॉ. सलीम कुरैशी, टाइफून एच आई एल, क्वार्बज इन्फो सिस्टम, प्रो. बरजीव त्यागी, आई आई टी रुड़की, प्रो. देबजीत पालित, एन टी पी सी बिजनेस स्कूल, नोएडा, श्री निरोजकांत स्वैन, ओपल आर टी, सुश्री निधि वर्मा, होमर इंडिया प्रा. लिमिटेड, डॉ. कल्पना चौहान, सी यू एच, महेंद्रगढ़ और डी.ई.आई., थे। आगरा से डॉ. कल्पना गुप्ता, डॉ. सुभो उपाध्याय, प्रो. डी.भगवान दास, डॉ. के. प्रीतम सतसंगी, डॉ. वी. श्रीनाथ थे। नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टर्स की मॉडलिंग और नियंत्रण, माइक्रोग्रिड्स का संचालन और नियंत्रण, भारत का विद्युतीकरण विकास, योग और तनाव प्रबंधन आदि विषय शामिल थे। संस्थान के स्नातक और परास्नातक छात्रों और अन्य प्रतिभागियों द्वारा कुछ लेख और परियोजनाएं भी प्रस्तुत की गईं । एफ डी पी के समापन समारोह में सम्मानित अतिथि डॉ. कल्पना चौहान, सी यू एच महेंद्रगढ़ थीं।

विज्ञान संकायः

शिक्षकोप्लब्धिः

वनस्पति विज्ञान विभाग के श्री अचल मोगला को हाल ही में रविवार, 18 सितंबर, 2022 को होटल ताज – विवांता, नई दिल्ली में उनकी पुस्तक 'साल्ट एंड पैपर' के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुस्तक को "फिक्शन" श्रेणी में सम्मानित किया गया था। पूरे कार्यक्रम का आयोजन सुएनोस द्वारा उकीयोटो पब्लिशिंग के द्वारा किया गया था।

छात्रोप्लब्धिः–

अभिषेक गुप्ता, बीएससी द्वितीय वर्ष। (संज्ञानात्मक विज्ञान) छात्र ने 45वें राष्ट्रीय प्रणाली सम्मेलन 2022 में साहित्य और चेतना–आधारित सिस्टम श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता, जो 26–30 सितंबर, 2022 को 'इम्पिरिकल मेजरमेंट ऑफ ऐस्थेटिक एक्सपीरियंस ऑफ म्यूजिक' (संगीत के सौंदर्य अनुभव के अनुभवजन्य मापन) पर उनके काम के लिए प्रदान किया गया था।

प्रोफेसर सी.एम. मार्कन की देखरेख में शोध कर रहीं डी.गीता को दयालबाग साइंस ऑफ कॉन्शसनेस 2022 सम्मेलन में उनके पेपर, "एनालिजिंग फंक्शनल ब्रेन नेटवर्क्स ऑफ अल्ट्रा–ट्रान्सेंडैंटल मेडिटेशन यूसिंग ग्राफ थ्योरिटिक टेकनीक" के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला।

खण्ड 'ख' : डी.ई.आई.–ओ.डी.ई./ए (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

कोऑर्डिनेटर की डेस्क से

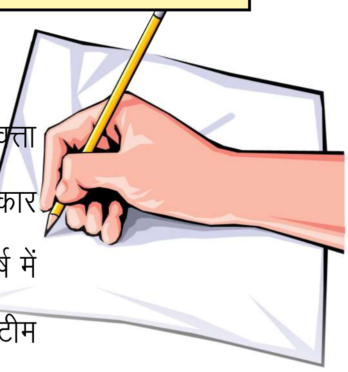

देश और विदेश में डी.ई.आई. के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के केंद्र वर्ष 2013 से दीपावली दिवस को नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस के रूप में मना रहे हैं, जैसा कि परम श्रद्धेय प्रो.पी.एस. सतसंगी साहब, शिक्षा सलाहकार समिति के अध्यक्ष द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन के अनुसार है। (ऐस) जैसे ही यह आयोजन अपने दसवें वर्ष में प्रवेश करता है, हम इस अत्यंत उपयोगी और छात्र–लाभकारी वार्षिक आयोजन के लिए DEI की आयोजन टीम और ई–ट्रांसमिशन टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

इस वर्ष यह कार्यक्रम 24 अक्टूबर, 2022 (दीपावली के दिन) को सुबह के शुरुआती घंटों में दयालबाग के एग्रोकोलॉजी फार्मों में फील्ड वर्क के दौरान 'समग्र व्यक्तित्व के निर्माण में आध्यात्मिक मूल्यों की भूमिका' विषय पर आयोजित किया गया था। समारोह की एक संक्षिप्त रिपोर्ट इस न्यूज़लेटर के खंड 'ए' में दिखाई देती है।

मैं मुख्य अतिथि श्री एस नैय्यर अली नजमी, प्रधान आयुक्त आयकर, आगरा द्वारा अपने व्याख्यान में की गई केवल दो टिप्पणियों को उजागर करना चाहूँगा जो उत्कृष्ट थीं: (i) ''शिक्षा आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों को सीखने और आंतरिक बनाने का एक उपकरण है।'' (ii) ''नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से प्रेरित सामाजिक संवेदनशीलता खुलेपन और लोगों की स्वीकृति लाती है''...दयालु हुजूर ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि '.....मुझे हमारे लिए उत्कृष्ट अवधारणा देने के लिए विद्वान वक्ता को बधाई देनी चाहिए।'

ऐसे कुछ ही प्रकाशन हैं जो आध्यात्मिक मूल्यों की बात करते हैं, और ये शायद ही कभी उन मूल्यों की सूची में शामिल होते हैं, जिन्हें छात्रों को आत्मसात करना चाहिए। दो रूसी लेखकों द्वारा 'आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्य' पर एक दिलचस्प प्रकाशन [1] आध्यात्मिक मूल्यों के बारे में बहुत व्यापक दृष्टिकोण रखता है, लेकिन निम्नलिखित उल्लेखनीय टिप्पणियां करता है:

(I) प्रकाशन एक उद्धरण के साथ शुरू होता है जिसमें कहा गया है कि व्यक्ति को आध्यात्मिकता की स्थिति प्राप्त करनी चाहिए क्योंकि, परीक्षण के समय नैतिकता खो जाती है।

(ii) लेखक 'विवेक' को एक आध्यात्मिक मूल्य के रूप में बहुत ही उच्च पद पर रखते हैं, जिसमें कहा गया है कि ''विवेक हमारे भीतर ईश्वर की वाणी है और विवेक मनुष्य की आध्यात्मिक दुनिया और संस्कृति को निर्धारित करता है।''

इस पृष्ठभूमि में यह उल्लेखनीय है कि अगले दिन शुरू हो रहे चार – दिवसीय दयालबाग़ चेतना विज्ञान सम्मेलन में भाग लेने आए कुछ विदेशी प्रतिनिधियों से परम श्रद्धेय प्रो. पी.एस. सतसंगी ने कहा ''चेतना हमें सही रास्ते पर रखती हैं'' और फिर ''विवेक–आधारित चेतना'' की अवधारणा को सामने रखा, जिसे वास्तविकता को देखने और अंततः कड़ी मेहनत, कर्तव्यों को पूरा करने और हार न मानने की आदत पैदा करने के माध्यम से पूर्णता प्राप्त करने के लिए कार्रवाई में लाना होगा। प्रतिनिधियों द्वारा इस अवधारणा की अत्यधिक सराहना की गई।

(प्रो. वी.बी. गुप्ता)

संदर्भ:

[1] Spirituality and Moral Values – Evgeniia Erenchinova, and Elena Proudchenko, SHS Web of Conferences 50, 01050 (2018): https://doi.org/10.1051/shsconf/20185001050

मुख्यालय से समाचार

DEI और CUET की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से 2022–23 शैक्षणिक सत्र के लिए DEI के डिग्री स्तर के ऑनलाइन कार्यक्रमों में नए प्रवेश के लिए अद्यतन आंकड़े नीचे दिए गए हैं:

UGC-entitled Online Pogrammes:

Online Degree		Through DEI	Through CUET	Total
(I)	B.Com (Hons)	42	55	**97**
(ii)	BBA	75	62	**137**
(iii)	B.A. Sociology	1	7	**8**
(iv)	M.Com	30	9	**39**
(v)	M.A.	7	0	**7**
Total		**155**	**133**	**288**

सूचना केंद्रों से समाचार

टाटा कमिंस के सदस्यों ने जमशेदपुर केंद्र का दौरा किया

27 को सितंबर 2022, टाटा कमिंस के दो सदस्यों श्री नरेंद्र कुमार और सुश्री अर्चना त्रिपाठी के एक प्रतिनिधिमंडल ने डीईआई जमशेदपुर केंद्र का दौरा किया। उनके दौरे का उद्देश्य छात्रों को छात्रवृत्ति कार्यक्रम, "Nurturing Brilliance" के बारे में बताना था, जो कमिंस इंडिया फाउंडेशन द्वारा चलाया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय समुदाय के पारंपरिक रूप से वंचित (आर्थिक और सामाजिक रूप से) मेधावी छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने और उन्हें सपने देखने की आकांक्षा और जिम्मेदार नागरिक बनने का अवसर देना है। वे डी.ई.आई. में प्रदान की जाने वाली कम लागत और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा से अत्यधिक प्रभावित हुए। इंजीनियरिंग में डिप्लोमा, प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के 35 छात्रों ने सत्र में भाग लिया।

डी.ई.आई. सूचना केंद्र, मुरार में स्वच्छ भारत मिशन मनाया गया

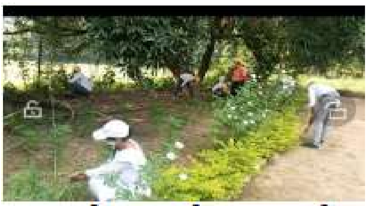

स्वच्छ भारत मिशन 2 अक्टूबर, 2022 को सूचना केंद्र, मुरार में बड़े समर्पण और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान प्रार्थना के पाठ से हुई। इलेक्ट्रिकल कोर्स के विद्यार्थियों ने 'थॉट ऑफ द डे' और हिंदी न्यूज का वाचन किया। ओ ए सीओ के छात्र अंग्रेजी समाचार पढ़ते हैं। इसके बाद पी.टी. डिस्प्ले और योगासन किया गया । इसके बाद छात्रों ने उत्साह के साथ परिसर की सफाई शुरू कर दी। कुछ घंटों के बाद, विश्वविद्यालय गीत और राष्ट्रगान की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

केंद्रों में नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस समारोह

डी.ई.आई. सूचना केंद्र, मुरार में दिनांक 23 व 24 अक्टूबर 2022 को दीवाली नवाचार, गुणवत्ता एवं मूल्यांकन दिवस के रूप में मनाई गई । दोनों दिन दयालबाग़ से प्रसारण प्राप्त हुआ। 24 अक्टूबर को केंद्र में स्थानीय कार्यक्रम के दौरान केंद्र प्रभारी ने इस दिन के महत्व पर भाषण दिया। तत्पश्चात प्रधानाध्यापक राधास्वामी विद्यालय, मुरार ने 'गुण' शब्द को भिन्न–भिन्न उदाहरण देकर समझाया। उसके बाद, छात्रों ने एक भक्ति गीत प्रस्तुत किया, तत्पश्चात् पिछले दिन आयोजित प्रतियोगिताओं जैसे खेल, पेंटिंग, रंगोली बनाना और निबंध लेखन के लिए पुरस्कार वितरण किया गया।

डी.ई.आई. सूचना केंद्र, सिकंदराबाद ने वार्ता के रूप में सतसंग समुदाय के सदस्यों के योगदान के साथ नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस मनाने के लिए 24 अक्टूबर, 2022 को विचारों को साझा करने के लिए एक आभासी बैठक आयोजित की। डॉ. वाई. वी. सुब्रह्मण्यम (केंद्र प्रभारी) ने इस दिन के उत्सव के महत्व को समझाया और पैनल चर्चा में पिछले दिन के वक्ताओं के विचारों पर चर्चा की और उसी दिन सुबह परम श्रद्धेय प्रेम सरन सतसंगी साहब की

सारगर्भित टिप्पणी की। श्री परम, श्री शशिधर, श्रीमती कादम्बरी, श्री पर्वतम प्रसाद, श्री एन.वी.एल. अडांकी, श्रीमती रितु और श्रीमती अकेला लता ने दयालबाग़ को रोल मॉडल के रूप में लेते हुए नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यांकन के तीन पहलुओं पर एकीकृत विचार प्रस्तुत किए।

Murar

Toronto

Pune

डी.ई.आई. केंद्र, टोरंटो में 22 अक्टूबर, 2022 को नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। टोरंटो शाखा सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने सभी का स्वागत किया। डॉ. अशिता अल्लामराजू, टोरंटो शाखा की सदस्या और इंस्टीट्यूट फॉर मैनेजमेंट एंड इनोवेशन, टोरंटो विश्वविद्यालय, मिसिसॉगा की शोधकर्ता ने पर्यावरणीय स्थिरता और शुद्ध–शून्य कार्बन उत्सर्जन की वैश्विक दौड़ पर 10 मिनट की बातचीत की। डॉ. अपूर्व नारायण, टोरंटो शाखा के एक सदस्य और सहायक प्रोफेसर, पश्चिमी ओंटारियो विश्वविद्यालय में, और वाटरलू विश्वविद्यालय और ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा में सहायक, ने एप्लाइड सिस्टम के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र की भूमिका के बारे में संक्षेप में साइंस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (ICASSSD) और इंटरनेशनल सेंटर फॉर एग्रोकोलॉजी (ICA) उत्तरी अमेरिका में समुदायों और संस्थानों के साथ जुड़कर स्थिरता पर शब्द फैलाने और युवा पीढ़ियों के लिए कॉप और अनुसंधान के अवसर पैदा करने के लिए बात की। उन्होंने एक सस्टेंनेवल मॉडल के रूप में दयालबाग जीवन शैली को जीवंत प्रयोगशाला उदाहरण के रूप में प्रस्तुत की। युवा और डी.ई.आई. के पूर्व छात्रों ने संगीत की संगत और महान आध्यात्मिक उत्साह के साथ एक शब्द का पाठ किया। कार्यक्रम का समापन डी.ई.आई. गीत के गायन के साथ हुआ।

डी.ई.आई. सूचना केंद्र, करोल बाग में वार्षिक ''नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस'' बड़े जोश और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में केंद्र के छात्रों, शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रेम सिंगारी वर्मा ने 'नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यों का महत्व' विषय पर व्याख्यान दिया। छात्रों ने एक छोटा सा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। इसके बाद केंद्र प्रभारी ने सभी उपस्थित लोगों से संक्षेप में बातें कीं। इनोवेशन, क्वालिटी और वैल्यूएशन डे के अवसर पर DEI के प्रसारण में 23 और 24 अक्टूबर, 2022 दोनों दिन छात्रों और फैकल्टी ने भाग लिया।

DEI ICT, ODL कैंपस, बैंगलोर के केंद्र प्रभारी, मेंटर, फैकल्टी और स्टाफ ने जबरदस्त उत्साह के साथ **DEI इनोवेशन, क्वालिटी और वैल्यूएशन डे** मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 9 बजे संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत विश्वविद्यालय गीत के साथ ऑडियो मोड पर हुई। श्रीमती पोस्तो सपना के स्वागत भाषण के बाद, बहुत ही रोचक आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किए गए: डॉ. पूर्णिमा सेठी जोसन, आईआईएससी, बैंगलोर द्वारा 'ईमानदारी', श्री उमंग सैनी द्वारा 'क्वांटिफाइड सेल्फ' और श्री अंकुर माथुर द्वारा 'गुणवत्ता आश्वासन बनाम गुणवत्ता इंजीनियरिंग' पर। प्रत्येक वार्ता के बाद एक अच्छा संवादात्मक सत्र हुआ।

24 अक्टूबर, 2022 को **डी.ई.आई. सूचना केंद्र, चेन्नई** में नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस का उत्सव विश्वविद्यालय की प्रार्थना के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद चेन्नई केंद्र के संकाय और डी.ई.आई. के पूर्व छात्रों द्वारा पाठ किया गया। उद्घाटन भाषण मुख्य अतिथि प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, डी.ई.आई., आगरा द्वारा दिया गया। उन्होंने 'सिग्मा सिक्स क्यू' और 'दयालबाग़ वे ऑफ लाइफ' को शामिल करने वाले मूल्यों पर बात की। इसके बाद अन्य प्रस्तुतियां हुईं, जिनमें हमारे आध्यात्मिक नेताओं द्वारा सत्संग मील के पत्थर और जनादेश पर हिंदी में कविता पाठ; दयालबाग़ में संत सु (स्थायी) विकासवादी योजना और कृषि के महत्व पर वार्ता, संत सु (स्थायी) विकासवादी योजना के साथ नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यों के एकीकरण पर लैक्टो शाकाहार के साथ मिलकर सत्संग में उसका प्रभाव पर एक प्रस्तुति हुई, छात्रों में अनुकूलन के विकास पर डी.ई.आई. लाइफ का प्रभाव पर एक वार्ता हुई। विज्ञापन उद्योग के विशेषज्ञ और चेन्नई शाखा के सदस्य श्री अतुल माथुर ने कॉर्पोरेट नेतृत्व में मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक केस स्टडी

प्रस्तुत की।

डी.ई.आई. सूचना केंद्र, पुणे में नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस अत्यधिक उत्साह के साथ मनाया गया। जिला सचिव– श्री. स्वामी दास, सहायक शाखा सचिव, सुश्री बरखा सत्संगी, डीईसी कर्मचारी, छात्र और कई शाखा सदस्य इस कार्यक्रम में शामिल हुए। पुणे शाखा के युवाओं द्वारा डी.ई.आई. शिक्षा, उसके मूल्यों, गुणवत्ता और नवाचार पर आधारित एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। कई छात्रों ने इसमें भाग लिया कि कैसे उन्होंने डी.ई.आई. में सीखे गए गुणों और मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में लागू किया है। केंद्र प्रभारी, सुश्री विनीता भवनानी ने पिछले शैक्षणिक वर्ष के लिए डी.ई.आई. सूचना केंद्र, पुणे की मुख्य विशेषताएं प्रस्तुत कीं। श्री स्वामी दास ने नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस के बारे में अपने अनुभव और विचार भी साझा किए। विश्वविद्यालय प्रार्थना सभा के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

खण्ड 'ग' : डी.ई.आई के भूतपूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI)

श्रद्धांजलि

प्रो. प्रेम कुमारी श्रीवास्तव
(2 दिसंबर, 1962 – 12 नवंबर, 2022)

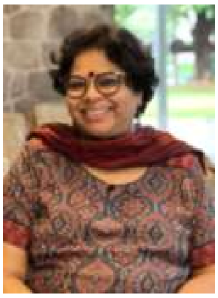

यह अंक न्यूजलेटर के AADEIs और AAFDEI अनुभाग के हमारे सबसे प्रिय संपादक प्रो. प्रेम कुमारी श्रीवास्तव के अचानक निधन की दुखद घटना के बाद आया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के महाराजा अग्रसेन कॉलेज में अंग्रेजी की प्रोफेसर, वह स्वदेशी साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन के सबसे प्रमुख चेहरों में से एक थीं। रूटलेज के साथ उनका मरणोपरांत काम, ग्यारह पुस्तकों सहित एक विशाल कृति के साथ, 'अमृता प्रीतमः द राइटर प्रोवोकेटर' जल्द ही दिसंबर में प्रकाशित होगा। वह लगातार उन विद्वानों में से एक थीं, जो हमेशा हमें कुछ नये और भावपूर्ण से आश्चर्यचकित करती थी।

वह हमेशा अपनी दयालु आत्मा, दयालु हृदय, जीवंत हंसी और मजाकिया चुटकुलों के लिए याद की जाएंगी। उनके साथ काम करके बहुत खुशी हुई और उन्होंने कई लोगों की आत्मा को छुआ। उनके स्पष्ट और सीधे विचारों ने कई लोगों को प्रभावित किया था।

हालाँकि हमारे भीतर एक शून्य इतना गहरा बना हुआ है, फिर भी हम शोक नहीं करते क्योंकि वह धन्य और मुक्त है ...

स्थिरता और अनुकूल जलवायु कार्यवाई के लिए मानसिकता– दयालबाग से सबक

पारुल ऋषि,
बैचः डैब मनोविज्ञान (1989), पी.एच डी मनोविज्ञान (1989), पी जी डी थियोलॉजी (2017), डी.ई.आई.
वर्तमान में प्रोफेसर एवं अध्यक्ष–एच आर एम एवं सी एस आर, भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल

छवि मानव व्यवहार और जीवन शैली ने पारिस्थितिक प्रणालियों की स्थिरता पर दीर्घकालिक संचयी प्रभाव छोड़ा है। सामान्य तौर पर, जलवायु/स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी समाधानों पर अत्यधिक ध्यान और महत्व दिया गया है, जबकि जलवायु–समर्थक व्यवहार परिवर्तन पर कम ध्यान दिया गया है। हालांकि, यह मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विज्ञान द्वारा अनुशंसित व्यक्ति, परिवार और समुदाय के स्तर पर व्यवहार–केंद्रित दृष्टिकोण है, जो किसी भी व्यवहार परिवर्तन के लिए एक प्रारंभिक बिंदु हो सकता है। मनुष्यों को बदलते जलवायु परिदृश्य का प्रभावी ढंग से सामना करने और अनुकूलन करने के लिए, अपनी मानसिकता और जीवन शैली को बदलने की आवश्यकता है, क्योंकि वैश्विक कल्याण सुनिश्चित करने के लिए व्यवहार परिवर्तन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ग्रह और इसके निवासियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए, हमें 'परिवर्तन की इच्छा' से वास्तव में 'परिवर्तन के लिए काम करने' की ओर बढ़ना होगा – कंक्रीट के जंगलों से हरे–भरे जंगलों की ओरय संसाधनों को साझा करने में शांतिपूर्ण सहयोग के लिए अस्थिर उपभोग्य सामग्रियों के लिए प्रतिस्पर्धी दौड़ सेय और अध्यात्मवाद की वेदी के लिए भौतिकवाद का जाल, उपरोक्त सभी का एक जीवंत प्रदर्शन दयालबाग, विद्या का मंदिर और DEI, हमारा अल्मा मेटर है।

पृथ्वी ग्रह के निवासियों के लिए करुणामय देखभाल प्रदान करना इसके स्थायी व्यवहार का एक अभिन्न अंग है। हालांकि स्थिरता हमेशा लोगों के साथ–साथ कॉर्पोरेट संगठनों के लिए लागत–केंद्रित नहीं होती है, इसके साथ कई दीर्घकालिक रिटर्न (मूर्त और साथ ही अमूर्त प्रकृति) जुड़े होते हैं। दयालबाग इको–विलेज मॉडल अपनाने के बाद, सभी व्यक्तियों, समाजों और राष्ट्रों द्वारा सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्रभावी रूप से अपनाने से जलवायु परिवर्तन के शमन में काफी हद तक मदद मिल सकती है।

वैश्विक स्तर पर एक सकारात्मक, समर्थक जलवायु और स्थिरता उन्मुख मानसिकता और कार्रवाई (भले ही इसका मतलब जीवन की कुछ विलासिता का त्याग करना हो) वांछनीय है, जिसके लिए दुनिया भर के सामाजिक वैज्ञानिकों के बड़े पैमाने पर प्रयासों की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन और स्थिरता के लिए नीतियों को मजबूत करने के लिए नीति निर्माताओं को विभिन्न व्यवहार संबंधी चुनौतियों और बाधाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए इस संबंध में प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान को एकीकृत करने वाले बहु–विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। एक सकारात्मक विश्वास प्रणाली और आध्यात्मिकता की छत्रछाया में समुदाय–आधारित कार्यों के साथ सूक्ष्म स्तर पर एक जन–केंद्रित प्रयास समय की आवश्यकता है। यह लोगों को किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति का कुशलता से सामना करने के लिए तैयार करेगा। इसके अलावा, यह किसी भी जलवायु प्रतिकूलता के मामले में एक अच्छा पोर्ट नेटवर्क प्रदान करके बफर के रूप में कार्य करेगा। न्यू नॉर्मल COVID–19 में फिट होने के लिए अपने कई व्यवहार विकल्पों और कार्यों के साथ समझौता करना सीखने से हमें एहसास हुआ कि स्थिरता से जुड़े विकल्प हमें सामान्य धारणा–आधारित व्यवहार पर वांछनीय बढ़त दे सकते हैं। इस तरह के व्यवहार विकल्पों को बड़े पैमाने पर अपनाने से दयालबाग़ में व्यापक रूप से प्रचलित जलवायु परिवर्तन और स्थिरता के प्रबंधन के लिए सर्वोत्तम व्यवहार प्रथाओं को विकसित करने के लिए अच्छी संख्या में लोगों को प्रेरित, और प्रोत्साहित किया जा सकता है।

स्व–अन्वेषण के लिए पथप्रदर्शक

स्मिता सहगल,
बैचः पी जी डी थियोलॉजी (2013), एम.ए. थियोलॉजी (2021), डी.ई.आई.

वर्तमान में प्रोफेसर, इतिहास विभाग, लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय डी.ई.आई. में धर्मशास्त्र का अध्ययन एक इन्वेस्टिड अभ्यास था। मैं दशकों से धर्म के इतिहास का छात्रा रही हूं और दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम कॉलेज में प्राचीन भारतीय अध्ययन की शिक्षिका हूं। धार्मिक परंपराओं के उद्भव और उनके स्थायी प्रभाव के संदर्भ का अध्ययन करते समय, मुझे अक्सर आश्चर्य होता था कि जनता, बुद्धिजीवियों और आध्यात्मिक रूप से उन्नत लोगों के लिए इसकी अपील क्या बनी हुई है। विज्ञान के अनुशासन के साथ इसका संबंधध्संगतता समान रूप से गहन खोज के योग्य थी। फिर 2013 में डी.ई.आई. में

पी जी डिप्लोमा स्तर पर इसका अध्ययन करने का मौका मिला। मैंने इसे एक आत्मा की खोज कार्य के रूप में लिया, जो प्रकृति में अकादमिक और व्यक्तिगत दोनों अंतहीन प्रश्नों के उत्तर खोजने के लिए उत्सुक था।

कार्यक्रम व्यापक था। दुनिया भर में कई धार्मिक परंपराओं का अध्ययन करने और उनके सामाजिक स्थान के साथ–साथ उनकी उत्पत्ति के आवेग पर विचार करने का अवसर मिला। जो बात स्पष्ट हुई वह यह थी कि रहस्यवाद के साथ मानव का जुड़ाव मानवता की उत्पत्ति के समय से ही रहा है। उच्च शक्तियों की ओर खिंचाव हमेशा बना रहता था और मनुष्य ने इसका दोहन करने के लिए अपने स्वयं के विविध तरीके विकसित किएय कुछ इसके लिए लंबे रास्ते के एक हिस्से को पार करने में सफल रहे जबकि अन्य ने अपना प्रयास जारी रखा।

क्या सच में भगवान का अस्तित्व है? कोई इसे कैसे साबित कर सकता है? परम सत्य क्या है? क्या परम सत्य की खोज में विज्ञान धर्म को हरा सकता है? क्या धार्मिक दर्शन अपनी अपील और प्रसारण में सार्वभौमिक हो सकता है? क्या अंतर्ज्ञान सिर्फ एक रहस्यमय विचार है या इसका कोई वैज्ञानिक आधार है? ये वे प्रश्न थे जिन्होंने मुझे परेशान किया और मुझे अपने शोध को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया क्योंकि मैंने 2021 में उसी संस्थान से धर्मशास्त्र में मास्टर्स पूरा करने का फैसला किया। जिन रास्तों पर विज्ञान और धर्म चलते हैं, वे एक ही हैं। धर्म बहुत अनुभवात्मक हो सकता है, लेकिन उसमें प्रयोगात्मकता की भी क्षमता है। यहाँ मैं वास्तव में धर्म से जुड़ी साज–सज्जा की बात नहीं कर रही हूँ, यानी इसके मिथक, कर्मकांड, या इसके सामाजिक संदर्भ, बल्कि इसके आध्यात्मिक सार और चेतना की बात कर रही हूँ।

विशेष रूप से 'संत' परंपरा से जुड़ी आंतरिक विकासवादी प्रक्रिया व्यक्ति को अपने भीतर परिवर्तनों का अनुभव करने और अधिक महत्वपूर्ण, उन्हें सारणीबद्ध करने की अनुमति देती है। इन्हें वैज्ञानिक रूप से रिकॉर्ड और अध्ययन किया जा सकता है, लेकिन इससे पहले यह मान्यता आती है, कि स्वयं का शरीर और मन ही इन प्रयोगों की प्रयोगशाला है। मैंने यह भी महसूस किया कि मानव ढाँचे के भीतर छेद मौजूद हैं जो एक डिग्री के ध्यान अभ्यास के साथ व्यतियो को उच्च स्तरों से जोड़ सकते हैं। धर्मशास्त्र के अध्ययन ने मुझे इस सोच में भी डाल दिया कि मानवता के एक उदात्त तल पर जुड़ी हुई सच्चाई की स्वीकृति

वास्तव में मानव लालच और लोभ द्वारा बनाई गई कई सांसारिक समस्याओं को हल कर सकती है। बढ़ती अराजकता के लिए दुनिया को संकल्पों की आवश्यकता हैय एक बेहतर मार्गदर्शक शक्ति के अस्तित्व के बारे में धर्मशास्त्रीय जागरूकता वास्तव में मदद कर सकती है, बशर्ते यह हमारे भाग्य को बेहतर बनाने की वास्तविक इच्छा और उसके अनुसार बदलने की इच्छा से आती हो। धर्मशास्त्र के पाठ्यक्रम ने वास्तव में मुझे इस उम्मीद से भर दिया कि एक बेहतर दुनिया बनाई जा सकती है जहां विचारों में एकता और कार्रवाई में सहयोग के साथ विविधता को पहचाना जा सके।

AADEIs का कौशल संसाधन केंद्रः एक रिपोर्ट

6 अक्टूबर, 2022 को एसआरसी में एक सर्टिफिकेट डिस्ट्रीब्यूशन फंक्शन आयोजित किया गया, जिसमें बैच– IV और बैच– V के 56 छात्रों को सर्टिफिकेट

दिए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत दयालबाग की अध्यक्षा गुर प्यारी मेहरा ने मुख्य अतिथि के रूप में की। AADEIs SRC, के लिए समन्वय समिति के अध्यक्ष डॉ. साहब दास और अन्य सदस्य श्री राजेंद्र प्रसाद और श्री स्वामी दास भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

छात्राओं को संबोधित करते हुए, सुश्री गुर प्यारी मेहरा ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में केंद्र और छात्राओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और छात्राओं को SRC में दिए गए कौशल प्रशिक्षण से गुजरने के बाद अपनी छिपी प्रतिभा को अभिव्यक्ति देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे हमारी पांचों उंगलियों के संदेश को याद रखें जिसमें अंगूठा हमें अपना सर्वश्रेष्ठ करने के लिए प्रेरित करता है, तर्जनी हमें सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए कहती है, मध्यमा आत्म सम्मान का प्रतिनिधित्व करती है, अगली उंगली हमें निरंतर विकास करने के लिए प्रोत्साहित करती है। और कनिष्ठा अंगुली इस बात का द्योतक है कि सेवा का कार्य कितना ही छोटा क्यों न हो, हमें उसे करने से पीछे नहीं हटना चाहिए।
श्री सरन श्रीवास्तव, केंद्र प्रभारी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और SRC की गतिविधियों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. साहब दास ने मुख्य अतिथि को उनकी उपस्थिति और प्रशिक्षुओं को प्रेरित करने वाले एक बहुत ही प्रेरक भाषण के लिए धन्यवाद दिया। समारोह का समापन ''तमन्ना यही है...'' प्रार्थना के साथ हुआ।

पूर्व छात्र बाइट्स

दयालबाग़ में शिक्षा की सबसे बड़ी उपलब्धि है...

''.......कड़ी मेहनत और काम करने के नैतिक तरीके में विश्वास। अन्य विश्वविद्यालयों के विपरीत, जो काफी हद तक बौद्धिक लोकाचार पर ध्यान केंद्रित करते हैं, मुझे एक ऐसी प्रणाली में शिक्षित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जो न केवल बौद्धिक और भौतिक विकास बल्कि आध्यात्मिक कल्याण पर भी जोर देती थी।
– तोरण तलवार, बैचः बी ए मनोविज्ञान ऑनर्स (1999); डैब मनोविज्ञान (2000), डी.ई.आई.
वर्तमान में, मनोविज्ञान के सहायक प्रोफेसर, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा

'...दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करना, उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना और नवाचार के लिए प्रयास करना।''
–कोमलचित जुनेजा, बैचः बी टेक (2014–18)
वर्तमान में, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, कैडेंस डिज़ाइन सिस्टम और एम.टेक, बिट्स, पिलानी कर रहे हैं।

प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड

डी.ई.आई.

संरक्षक
प्रो. पी.के. कालरा

मुख्य संपादक
प्रो. जे.के. वर्मा

संपादक
डॉ. सोना दीक्षित
डॉ. सोनल सिंह
डॉ. अक्षय कुमार सत्संगी
डॉ. बानी दयाल धीर

सदस्यों
डॉ. चारु स्वामी
डॉ. नेहा जैन
डॉ. सौम्या सिन्हा
श्री आर.आर. सिंह
प्रो. प्रवीण सक्सेना
प्रो. वी. स्वामी दास
डॉ. रोहित राजवंशी
डॉ. भावना जौहरी

सलाहकार
प्रो. एस.के. चौहान

अनुवादक
डॉ. नमस्या

डी.ई.आई.–ओ.डी.ई./ए (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

संरक्षक
प्रो. पी.के. कालरा
प्रो. वी.बी. गुप्ता

संपादकीय सलाहकार
प्रो. एस.के. चौहान
प्रो. जे.के. वर्मा

संपादकीय मंडल
डॉ. सोनल सिंह
डॉ. मीना पायदा
डॉ. लॉलीन मल्होत्रा,
डॉ. बानी दयाल धीर
श्री राकेश मेहता

अनुवादक
डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

डी.ई.आई. Alumni (AADEIs & AAFDEI)

संपादक
प्रो. गुर प्यारी जंडियाल

संपादकीय समिति
डॉ. सरन कुमार सतसंगी,
प्रो. साहब दास
डॉ. बानी दयाल धीर
श्रीमती शिफाली सत्संगी
श्रीमती अरुणा शर्मा
डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा
डॉ. गुरप्यारी भटनागर
डॉ. वसंत वुप्पुलुरी

अनुवादक
डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

पंजीकृत कार्यालय:
108, साउथ एक्स प्लाजा –1,
साउथ एक्सटेंशन पार्ट II,
नई दिल्ली–110049।

प्रशासनिक कार्यालय:
पहली मंजिल, 63,
नेहरू नगर,
आगरा –282002।

चित्रण, मुद्रण एवं ई–प्रकाशन: दयालबाग़ प्रेस